1 वंदन तुम स्वीकारो माँ!

(कविता)

प्रतिध्वनि

देश के लिए प्यार है तो जताया करो, किसी का इंतजार मत करो....
गर्व से बोलो "जय हिंद", अभिमान से कहो भारतीय हैं हम...!!

जय-जय, जय-जय भारत जननी,
वंदन तुम स्वीकारो माँ!
उच्च हिमालय शुभ मुकुट है,
गंगा-यमुना हार नवल।
गोदा-कृष्णा-कावेरी भी,
प्यार लुटाती हैं अविरल।
चरण पकड़ सागर गुण गाता,
गायन यह स्वीकारो माँ!
जय-जय, जय-जय भारत जननी,
वंदन तुम स्वीकारो माँ!
हरे खेत-खलिहान, घने वन,
दिशा-दिशा में दीप जले।
निशि-दिन कर्म-निरत जन-जीवन,
कर्मों से ही भाग्य फले।
यही कर्म हैं तेरी पूजा,
पूजन यह स्वीकारो माँ!
जय-जय, जय-जय, भारत जननी,
वंदन तुम स्वीकारो माँ!
तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर,
नित नव मंगल-कार्य करें।
मिल-जुलकर हम रहें प्रेम से,
भेदभाव सब दूर करें।
तन-मन-धन सब तुमको अर्पण,
अर्पण यह स्वीकारो माँ!
जय-जय, जय-जय, भारत जननी,
वंदन तुम स्वीकारो माँ!

–सुरेश पंत

Scanned with CamScanner

जीवन मूल्य : प्रत्येक भारतीय को अपने देश के नैसर्गिक सौंदर्य पर गर्व होना चाहिए। उन्हें देश की प्रगति के लिए समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए।

शब्दार्थ

वंदन	– प्रणाम	शुभ्र	– स्वच्छ, सफेद	नवल	– नया
अविरल	– लगातार	जननी	– माँ	निशि	– रात
तुच्छ	– घटिया	कर्म-निरत	– काम में लगा हुआ	अर्पण	– भेंट करना

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**
   (क) मानव को स्वार्थ छोड़कर क्या करना चाहिए?
   (ख) भारत माँ के गले का हार क्या है?
   (ग) कवि भारत माँ को क्या-क्या अर्पण कर रहा है?
   (घ) भारत माँ का मुकुट किसे कहा गया है?

2. **सही शब्द से कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**
   (क) ..... स्वार्थ से ऊपर उठकर,
   नित नव ..... करें।
   (ख) चरण पकड़ ..... गुण गाता,
   ..... यह स्वीकारो माँ!
   (ग) हरे ....., घने वन,
   दिशा-दिशा में ..... जले।

3. **सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–** [Multiple Choice Questions (MCQs)]
   (क) भाग्य किससे फलता है?
   (i) पूजन से ◯ (ii) अर्पण से ◯ (iii) कर्म से ◯
   (ख) उच्च हिमालय क्या है?
   (i) माणिक ◯ (ii) शुभ्र मुकुट ◯ (iii) स्वर्ण मुकुट ◯
   (ग) हमें मिल-जुलकर कैसे रहना चाहिए?
   (i) भेदभाव से ◯ (ii) प्रेम से ◯ (iii) डर से ◯

Scanned with CamScanner

2

अँधेरे का डर

(कहानी)

प्रतिध्वनि

"जैसे ही भय आपके करीब आए, उस पर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।" - चाणक्य

लगभग सभी अनूप को एक अच्छा बच्चा मानते थे। वह ऐसा था भी। पढ़ाई में होशियार, खेलों में बेहतर और हाजिर जवाब। पर अनूप का एक रहस्य था। उसे अँधेरे से बहुत डर लगता था। डर भी इतना कि अँधेरे कमरे में अकेले जाने की बात तो छोड़िए, मद्धिम रोशनी से भी उसे घबराहट होने लगती थी।

मम्मी-पापा के कमरे और कुमकुम के कमरे के बीच अनूप का सुंदर, हवादार कमरा था। फिर भी रात को सोने के लिए वह कुमकुम के कमरे में घुस आता था। कुमकुम को भैया से बड़ी चिढ़ होती, क्योंकि अनूप सारी रात एक बड़ा-सा बल्ब जलाए रखता।

अनूप को भी अपनी इस कमजोरी पर बड़ी बौखलाहट होती। वह खुद समझ नहीं पाता था कि अँधेरे में ऐसा क्या है जिसका उसे डर लगा रहता है।

एक दोपहर कक्षा अध्यापिका कक्षा में आईं और मेज पर ही बैठ गईं। बिना बताए बच्चे जान गए कि आज कुछ खास बात है। बच्चों की उत्सुकता को समाप्त करने के लिए उन्होंने घोषणा की- "हम लोग पिकनिक पर जा रहे हैं।"

पिकनिक पूरे दो दिन और दो रातों की थी। हर किसी को पिकनिक में आना जरूरी था। बच्चे तो खुशी से उछल पड़े। किलकारियाँ भरने लगे और मारे उत्तेजना के मेज थपथपाने लगे। किंतु अनूप के पेट में मारे डर के मरोड़े उठने लगे। दो दिन तो ठीक हैं, पर घर से दूर एक रात भी वह कैसे निकाल पाएगा?

अनूप बड़ी दुविधा में फँस गया था। रात को खाने की मेज पर अनूप का लटका हुआ मुँह देखकर पापा ने उसका कारण पूछा। पिकनिक की बात के साथ बिना रुके अनूप ने यह भी बता दिया कि दो दिनों तक मटरगश्ती करने के स्थान पर वह घर में रहकर पढ़ाई करना चाहता है। इसलिए पापा उसके लिए डॉक्टर के प्रमाण-पत्र की व्यवस्था कर दें।

पापा सब जानते थे कि पिकनिक छोड़कर अनूप को पढ़ाई क्यों सूझ रही है। उन्होंने कड़े शब्दों में कह दिय

Scanned with CamScanner

कि अनूप को जाना ही होगा।

अनूप सोचने लगा, ''जंगल के अँधेरे में जो होगा सो होगा, सहपाठियों के सामने पोल खुल जाएगी सो अलग। बच्चू, बड़ा होशियार बना फिरता था।''

आखिरकार पिकनिक का दिन आ पहुँचा। बच्चे खुशी-खुशी बस में सवार हुए। गाते-हँसते, शोर मचाते सब चल पड़े। अनूप अपनी जगह पर सहमा-दुबका बैठा रहा।

झमझमा फॉल्स पहुँचकर उसने देखा कि जंगल के बीच में खुले हिस्से में 30-35 छोटे-छोटे तंबू लगे हैं। यहीं उन सबको रहना और सोना था। अध्यापिका ने बताया कि हर तंबू में दो बच्चे रहेंगे। इसलिए सभी बच्चे अपना-अपना साथी चुन लें। इस बार अनूप के सामने कोई दुविधा नहीं थी। उसने लपककर अजीत को जा पकड़ा। अजीत विद्यालय का जूडो चैंपियन था। अनूप का साथी बनने के लिए अजीत ने हाँ तो कह दिया था, लेकिन उसके चेहरे पर भी परेशानी के भाव थे। अनूप खुश था कि जूडो चैंपियन के साथ रहते अँधेरे से निकलकर कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता था।

रात ठंडी थी। खाना-खाने के बाद दोस्तों की हँसी-ठिठौली में शामिल हुए बिना ही अनूप और अजीत बिस्तर में आ दुबके। अनूप इंतजार करता रहा कि अजीत अब रोशनी बंद करेगा, तब रोशनी बंद करेगा। तभी एक खरखरी फुसफुसाहट से अनूप चौंक उठा। अजीत उससे कुछ पूछ रहा था।

"क्या तुम्हें अँधेरे से डर लगता है?", अनूप को अपना भेद खुलता सा लगा। अरे! वह यह क्या देख रहा था? अजीत खुद थरथर काँप रहा था। अजीत ने बताया कि उसे अँधेरे से बहुत डर लगता है और एक आश्चर्य की बात हुई, अनूप ने खुद को यह कहते सुना कि अँधेरे से क्या डरना? अब वह स्लीपिंग-बैग परे हटाकर उठ बैठा।

यह तो अद्‌भुत था! अनूप को अपने आप पर विश्वास ही नहीं हो रहा था। उसने अजीत को थपथपाकर कहा, "दोस्त, तुम तो एकदम डरपोक निकले। डरो मत। मैं तुम्हारे साथ हूँ। तुम मेरा हाथ थाम लो और बेफिक्र होकर सो जाओ।", अनूप का हाथ थामकर अजीत निश्चिंत हो गया।

"लेकिन तुम मुस्करा क्यों रहे हो? कहीं यह बात सबको बता तो नहीं दोगे?", अजीत ने पूछा।

"तुम्हारी यह हालत देखकर मुझे ऐसा ही एक पागल लड़का याद आ गया।", अनूप ने दूर अँधेरे में ताकते हुए कहा, "लेकिन वह पुरानी बात है।"

जीवन मूल्य हमें निडर होकर जीना चाहिए। डर की वजह से हम जीवन में कई महत्वपूर्ण अवसर खो देते हैं।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

बौखलाहट	–	खीझ	दुविधा	–	अनिर्णय की स्थिति
मद्धिम	–	धीमी/कम/हल्की	उत्तेजना	–	आवेग
मटरगश्ती	–	मस्ती	निश्चिंत	–	चिंता रहित

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अनूप कैसा बच्चा था?

(ख) अनूप पिकनिक पर जाने के लिए क्यों तैयार न था?

(ग) अनूप ने अजीत को ही साथी क्यों चुना?

(घ) अजीत ने अनूप से क्या कहा?

(ङ) इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

2. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– [Multiple Choice Questions (MCQs)]

(क) अनूप कैसा बच्चा था?

(i) मूर्ख ◯ (ii) घमंडी ◯ (iii) होशियार ◯

(ख) अनूप को किस चीज़ से डर लगता था?

(i) कुत्ते से ◯ (ii) अँधेरे से ◯ (iii) पानी से ◯

(ग) अजीत क्या था?

(i) कबड्डी चैंपियन ◯ (ii) तैराकी चैंपियन ◯ (iii) जूडो चैंपियन ◯

(घ) अनूप पिकनिक के लिए कहाँ गया था?

(i) मसूरी ◯ (ii) गोवा ◯ (iii) झमझमा फॉल्स ◯

Scanned with CamScanner